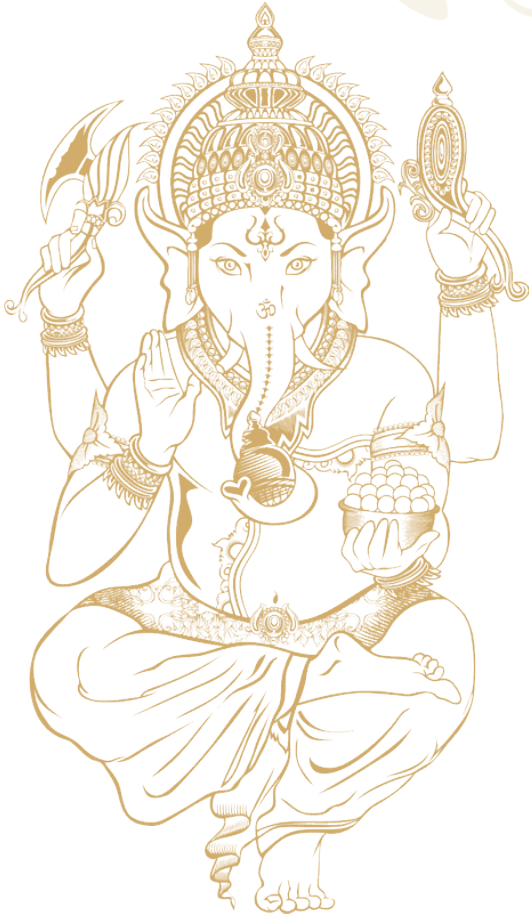

Pragya jain

23 Sep 1999

09:35 AM

Bhilai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121719917

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/09/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:35:00 घंटे**
इष्ट	09:14:23 घटी
स्थान	**Bhilai**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:13:00 उत्तर
रेखांश	81:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:30:44 घंटे
वेलान्तर	00:07:23 घंटे
साम्पातिक काल	09:37:01 घंटे
सूर्योदय	05:53:14 घंटे
सूर्यास्त	18:00:06 घंटे
दिनमान	12:06:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:50:50 कन्या
लग्न के अंश	25:45:40 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:45:40	320:20:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कन्या	05:50:50	00:58:41	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			कुंभ	06:49:46	13:15:44	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	19:25:26	00:40:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	17:26:11	01:38:44	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु	व		मेष	09:45:46	00:05:29	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	27:35:10	00:24:49	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:49:24	00:02:28	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:15:20	00:02:38	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:15:20	00:02:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:22:40	00:01:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:51:25	00:00:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:13:34	00:01:08	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	28:01:54	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

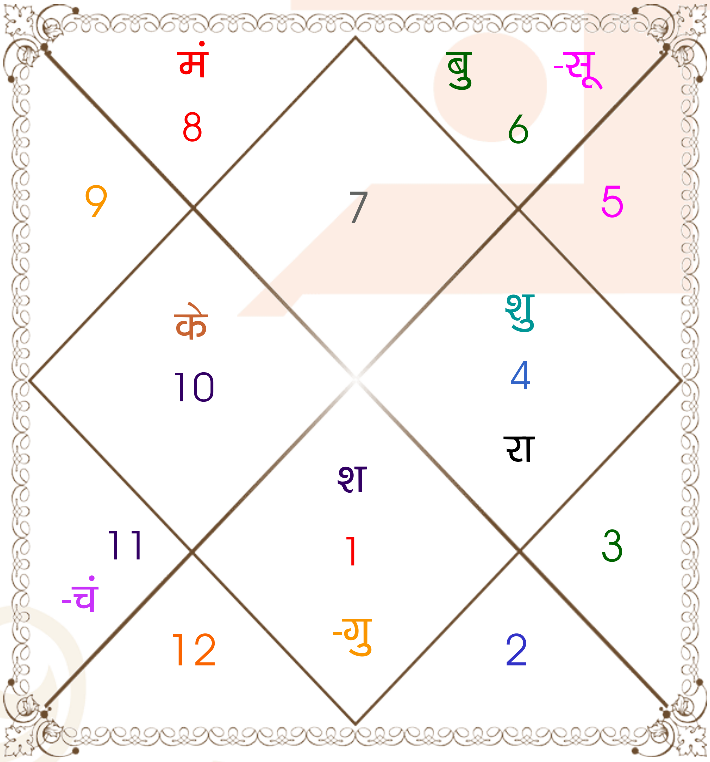

चन्द्र कुंडली

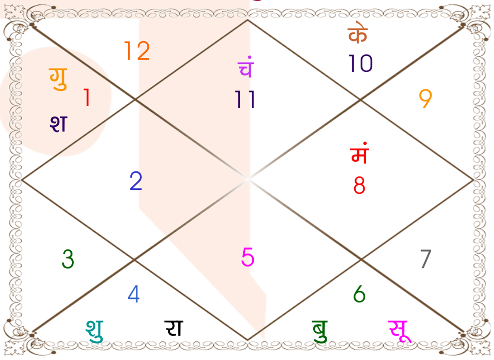

नवमांश कुंडली

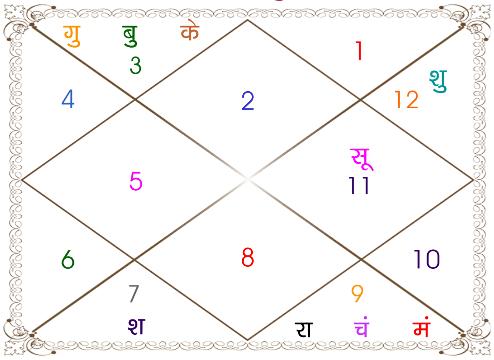

Astrology and Vastu Solutions
433, Karsan Chamber, Devendra nagar, Raipur, Chhattisgarh.
8109680205
Vibhaasharma.av@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 9 मास 11 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
23/09/1999	04/07/2017	04/07/2033	04/07/2052	04/07/2069
04/07/2017	04/07/2033	04/07/2052	04/07/2069	04/07/2076
राहु 17/03/2002	गुरु 22/08/2019	शनि 07/07/2036	बुध 30/11/2054	केतु 30/11/2069
गुरु 09/08/2004	शनि 05/03/2022	बुध 17/03/2039	केतु 28/11/2055	शुक्र 30/01/2071
शनि 16/06/2007	बुध 09/06/2024	केतु 25/04/2040	शुक्र 28/09/2058	सूर्य 07/06/2071
बुध 03/01/2010	केतु 16/05/2025	शुक्र 25/06/2043	सूर्य 04/08/2059	चंद्र 06/01/2072
केतु 21/01/2011	शुक्र 15/01/2028	सूर्य 06/06/2044	चंद्र 02/01/2061	मंगल03/06/2072
शुक्र 21/01/2014	सूर्य 03/11/2028	चंद्र 06/01/2046	मंगल31/12/2061	राहु 22/06/2073
सूर्य 16/12/2014	चंद्र 05/03/2030	मंगल15/02/2047	राहु 19/07/2064	गुरु 29/05/2074
चंद्र 16/06/2016	मंगल08/02/2031	राहु 22/12/2049	गुरु 25/10/2066	शनि 08/07/2075
मंगल04/07/2017	राहु 04/07/2033	गुरु 04/07/2052	शनि 04/07/2069	बुध 04/07/2076

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
04/07/2076	04/07/2096	05/07/2102	05/07/2112	06/07/2119
04/07/2096	05/07/2102	05/07/2112	06/07/2119	00/00/0000
शुक्र 03/11/2079	सूर्य 21/10/2096	चंद्र 06/05/2103	मंगल01/12/2112	राहु 24/09/2119
सूर्य 03/11/2080	चंद्र 22/04/2097	मंगल05/12/2103	राहु 20/12/2113	00/00/0000
चंद्र 04/07/2082	मंगल28/08/2097	राहु 05/06/2105	गुरु 25/11/2114	00/00/0000
मंगल03/09/2083	राहु 23/07/2098	गुरु 05/10/2106	शनि 04/01/2116	00/00/0000
राहु 03/09/2086	गुरु 11/05/2099	शनि 05/05/2108	बुध 31/12/2116	00/00/0000
गुरु 04/05/2089	शनि 23/04/2100	बुध 04/10/2109	केतु 30/05/2117	00/00/0000
शनि 04/07/2092	बुध 27/02/2101	केतु 05/05/2110	शुक्र 30/07/2118	00/00/0000
बुध 05/05/2095	केतु 05/07/2101	शुक्र 04/01/2112	सूर्य 05/12/2118	00/00/0000
केतु 04/07/2096	शुक्र 05/07/2102	सूर्य 05/07/2112	चंद्र 06/07/2119	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 9 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Astrology and Vastu Solutions
433, Karsan Chamber, Devendra nagar, Raipur, Chhattisgarh.
8109680205
Vibhaasharma.av@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म विशवाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।